भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3104

उत्तर दिनांक 19/03/2025 को दिया गया

'वन डीएई वन सब्सक्रिप्शन' पहल

3104. श्री दुष्यंत सिंह

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) 'वन डीएई वन सब्सक्रिप्शन' (ओडीओएस) पहल की मुख्य विशेषताएं और उद्देश्य क्या हैं; और

(ख) इसमें क्या विशिष्ट विषय-वस्तु उपलब्ध है तथा ओडीओएस के अंतर्गत किए गए समझौते भारत में शोधकर्ताओं, संस्थाओं और छात्रों को किस प्रकार लाभान्वित करते हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) ओडीओएस पहल की मुख्य विशेषताएं और उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. सामग्री कवरेज और इसके उपयोग का विस्तार करने के लिए: इस पहल से पहले, डीएई की विभिन्न इकाइयां अपने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए वार्षिक आधार पर ऑनलाइन पत्रिकाओं की सदस्यता लेती थीं। सदस्यता वाली पत्रिकाओं के अलावा किसी अन्य पत्रिका लेख (लेखों) की आवश्यकता होने पर, पुस्तकालयों को वांछित लेख प्राप्त करने के लिए डीएई इकाइयों के भीतर और डीएई से बाहर अन्य पुस्तकालयों से संपर्क करना पड़ता था। ओडीओएस के तहत, डीएई ने मैसर्स विली इंटर साइंस और मैसर्स स्प्रिंगर नेचर पब्लिशर्स के साथ एक परिवर्तनकारी समझौता (टीए) किया है। इसका परिणाम यह होगा कि सभी डीएई इकाइयों को उन सभी पत्रिकाओं तक पहुंच प्राप्त हो सकेगी जिनकी वे सदस्यता नहीं ले रहे थे, जिसके द्वारा सामग्री कवरेज और इसके उपयोग में वृद्धि होगी।

2. लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए: ओडीओ की पहल से पहले, ऑनलाइन जर्नल एक्सेस केवल डीएई की 14 इकाइयों के लिए उपलब्ध था, लेकिन ओडीओएस की पहल के तहत डीएई की सभी 60 इकाइयों को यह सुविधा प्रदान की गई।

3. लेख प्रसंस्करण शुल्क (एपीसी) का समर्थन करने के लिए: ओडीओएस के तहत डीएई वैज्ञानिक और शोधकर्ता किसी एपीसी का भुगतान किए बिना अपने शोधपत्र प्रकाशित करने में सक्षम होंगे।

(ख) डीएई की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत सभी शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए इन सभी प्रकाशकों तक पहुंच उपलब्ध है। इससे पहले, मेसर्स विली के 166 विशेष पत्रिका जर्नल शीर्षकों की पहुंच डीएई की केवल 12 इकाइयों तक सीमित थी। ओडीओएस के साथ, यह पहुंच अब बढ़कर 1353 पत्रिकाओं तक हो गई है और डीएई की सभी 60 इकाइयों को पहुंच उपलब्ध कराई गई है। इसी तरह, मेसर्स स्प्रिंगर नेचर पब्लिशर के लगभग 1752 शीर्षकों की पहुंच पहले डीएई की 14 इकाइयों को उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन ओडीओएस पहल के तहत, पहुंच बढ़कर 2686 पत्रिका शीर्षकों तक हो गई है।

इसके अलावा, मेसर्स विली और मेसर्स स्प्रिंगर पब्लिशर के लिए अभिलेखागार पहुंच भी वर्ष 1997 से उपलब्ध होंगे। नेचर पब्लिशर के मामले में, पहुंच वर्ष 2012 के बाद से उपलब्ध है। वर्ष 2024 की सभी पत्रिकाओं के लिए सभी डीएई इकाइयों को सतत अधिकार दिए जाएंगे।

इससे जुड़े अतिरिक्त लाभों में लेख प्रसंस्करण शुल्क (एपीसी) शामिल है। शोधकर्ता लेखक की दोहरी भूमिका निभाते हुए, अपने शोध कार्य की दृश्यता को बढ़ाने और अपने साथियों के लिए अपने निष्कर्षों की उपलब्धता के लिए, कई बार वे प्रकाशन के ओपन एक्सेस (ओए) मॉडल का विकल्प चुनना चाहते हैं। ओडीओएस पहल से सभी डीएई शोधकर्ता को बिना किसी अतिरिक्त एपीसी के मेसर्स विली (81 लेख) और मेसर्स स्प्रिंगर (281 लेख) में लेख प्रकाशित कर सकते हैं।

*****